टापर्स ने साझा किए सपने, बताई अपनी अब तक की यात्रा और आगे की प्लानिंग

इंजीनियरिंग के बाद बने मैनेजमेंट टॉपर, कार्पोरेट सेक्टर के अनुभव के बाद सिविल सर्विस की चाह

> गुरुवार को आईआईएम रायपुर का आठवां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया, यहां 241 स्टूडेंट्स को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें से 2016-18 सत्र के 54 स्टूडेंट्स, 2017 से 19 के 179 स्टूडेंट्स और पीएचडी के 8 स्टूडेंट्स को उपाधि दी गई। 2017-19 बैच के 4 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। खास बात यह है कि चारों ही टॉपर इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से हैं और कार्पोरेट सेक्टर का अनुभव प्राप्त कर सिविल सर्विस में जाने की चाह रखते हैं।

रायपुर। उपाधि प्राप्त करने के बाद स्टूडेंट्स बहुत ही उत्साहित दिखे। उनके पैरेंट्स भी बहुत ही खुश नजर आ रहे थे। नए परिसर में दीक्षांत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ट्राई चेयरमैन डॉ. रामसेवक शर्मा रहे। उन्होंने छात्रों से कहा, हार्डवर्क से हमारी क्रिएटिविटी निखरती है। हमारे शरीर में अच्छे हार्मोन का स्राव होता है। हमारे देश में लोग शार्टकट के पीछे लगे रहते हैं। यह एक बीमारी की तरह है, इसे छोड़ने की जरूरत है और मेहनत की आवश्यकता है। जीवन अनिश्चित है और यह कई बार मुश्किल हो जाता है, लेकिन मुश्किल महानता के अवसर पैदा करती है। आप अपने जीवन में हमेशा वही कार्य करें जो आप वास्तव में करना चाहते हैं। कभी-कभी यह पागलपन लग सकता है, लेकिन निश्चित रूप से बाद के जीवन में यह बहुत काम आता है। लोगों को कहने दें और आप वही करें, जो आप करना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि आपकी रुचि आपको सुबह उठाती है और आपकी रातों की नींद हराम करती है।

आज आप जो भी हैं अपने पैरेंट्स की वजह से

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अध्यक्ष श्यामला गोपीनाथन ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और आने वाले वर्षों में उन्हें सफलता का आश्वासन दिया। उन्होंने छात्रों से कहा कि आगे आप अपने कार्य के माध्यम से राष्ट्र और माता-पिता की सेवा करें। आज आप जो भी हैं अपने पैरेंट्स की वजह से ही हैं, तो उन्हें हमेशा खुश रखें। संस्थान के निदेशक प्रो. भरत भास्कर ने संस्थान की कई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आईआईएम रायपुर ने महज 9 साल की छोटी अवधि में कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं। यह संस्था हमेशा से केवल ज्ञान का प्रसार करने वाला नहीं बल्कि ज्ञान का निर्माण करने वाला संस्थान भी रहा है। सभी विभागों के प्रोफेसर्स संग छात्र और उनके पैरेंट्स भी दीक्षांत में उपस्थित रहे। दीक्षांत के बाद टोपी उछालकर अपने अंदाज में उन्होंने जश्न मनाया।

निरंतर मेहनत है सफलता का कारण

इस दीक्षांत में प्रथम टॉपर मध्यप्रदेश के खंडवा शहर के राही जैन रहे। राही ने इस सफलता का श्रेय टीचर्स, पैरेंट्स और दोस्तों के सपोर्ट को दिया। उन्होंने कहा, यहां आने के बाद हर किसी ने सपोर्ट किया है। मैंने अपनी पढ़ाई को खूब एंजॉय किया है और इसमें निरंतरता बनाए रखी है। इसके कारण मैंने इस सफलता को हासिल किया। राही जैन अभी कुछ साल कार्पोरेट सेक्टर में काम करके एक्सपीरियंस लेना चाहते हैं। उसके बाद भविष्य में वह सिविल सर्विसेस के लिए इंट्रस्टेड हैं। राही ने अपना ग्रेजुएशन इंदौर के इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में किया है। राही के पिता सुशीलचंद जैन एक ट्रांसपोर्ट का बिजनेस रन करते हैं और माता सुनीता जैन गृहणी हैं।

पढ़ाई के साथ पार्टी भी

आईआईएम की दूसरी टॉपर हैं बुसी रेड्डी नंदिनी। नंदिनी कहती हैं कि उन्होंने यहां की हर एक चीज को एंजॉय किया है। इसके लिए किसी भी प्रकार की स्ट्रेटजी नहीं बनाई थी। पार्टी को भी अटेंड करती थी और क्लास को भी। पढ़ाई को निरंतर करती थी और क्लास की बताई चीजों को प्रेक्टिकली महसूस करती थी। बुसी रेड्डी आंध्रप्रदेश के नेल्लूर से हैं और अपना ग्रेजुएशन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में वेल्लूर यूनिवर्सिटी से किया है। उन्होंने बताया कि आईआईएम आने से पहले भी मैंने कार्पोरेट सेक्टर में काम किया है, जिससे मुझे यहां और भी ज्यादा सपोर्ट मिल पाया है। नंदिनी के पिता पेंशलनरसन रेड्डी और माता पद्मावत अम्मा दोनों ही सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। वह आगे कार्पोरेट सेक्टर से अनुभव प्राप्त कर सिविल सर्विस में जाना चाहती हैं।

खुद से करें कंपीटिशन

इस दीक्षांत में संस्थान की तीसरी टॉपर जबलपुर की शैलजा तिवारी हैं। वह बताती हैं कि इस सफलता के लिए मैंने खुद की किसी से तुलना नहीं की है न ही प्रतियोगिता। मैंने खुद से ही कंपीट किया है और लगातार पढ़ाई करते रही हूं। इसके लिए हर किसी ने यहां सपोर्ट किया है। शैलजा ने अपना स्नातक जबलपुर से ही इंजीनियरिंग में की है। उनके पिता अशोक कुमार तिवारी एक रिटायर्ड इंजीनियर हैं और मां अनीता तिवारी हाउस वाइफ। शैलजा भविष्य में कार्पोरेट सेक्टर में अनुभव लेकर सिविल सर्विस में जाने की इच्छुक हैं।

हर एक चीज को किया एंजॉय

इस दीक्षांत समारोह में ओवर आल परफार्मर का खिताब सिलवेस्टर सैमुअल जी को दिया गया। तमिलनाडु त्रिची के रहने वाले सैमुअल कहते हैं, मैंने पढ़ाई के दौरान हर एक चीज को खूब एंजॉय किया है। पढ़ाई के साथ मैंने खेल में भी खूब हिस्सा लिया है। इसलिए मेरा मन हमेशा चंचल रहता था और थकावट नहीं महसूस करता था। सैमुअल ने एनआईटी त्रिची से इंजीनियरिंग की है। आगे कार्पोरेट सेक्टर में काम करके भविष्य में सिविल सर्विस में जाने की इच्छा है। सैमुअल के पिता जैसुदास और माता त्रिसा गुणसिली दोनों सेवानिवृत्त शिक्षक हैं।

Haribhoomi, 26th April 2019,P.17